



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—ठप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

No. 2]

नई दिल्ली, गुरुवार, जनवरी 1, 1993/पौष 11, 1914

No. 2]

NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 1, 1993/PAUSA 11, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह वास्तव संख्यावाले रूप से रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(बोर्डींगिक विकास विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 जनवरी, 1993

का.आ. 2(अ)---केन्द्रीय सरकार, यह अधिनियम करने की दृष्टि से यह आवश्यक समझती है कि किन आनंदगिक और लघु औद्योगिक उपकरणों को, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 की धारा 11-वां के विनियित प्रवोजनों के लिए उक्त अधिनियम के अधीन उत्पादन-उपकारों, छूट और प्रत्यक्ष अनुकूल व्यवहार की आवश्यकता है।

और अधिसूचना का मर्दादी उक्त अधिनियम की धारा 11-वां की उपकारा (3) के अधीन यथा अधिकाते 30 दिन की अवधि के लिए संसद के प्रत्येक सदन में रखा गया था।

और संसद के दोनों सदनों द्वारा प्रस्तावित अधिसूचना में कोई संशोधन करने का सुझाव नहीं दिया गया है।

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 11-वां की उपकारा (1) और धारा 29-वां की उपकारा (1) द्वारा प्रवत अनियमों

का प्रयोग करते हुए उन अधिकारों को और विनियित करने के प्रयोजनों के लिए, जिनके किसी औद्योगिक उपकरण द्वारा अनुपालन किए जाने पर उसे उक्त अधिनियम के प्रवोजनों के लिए आनंदगिक या लघु औद्योगिक उपकरण माना जाए, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (बोर्डींग विभाग) की अधिसूचना सं. का. आ 232(अ) तारीख 2 अप्रैल, 1991 का निम्नलिखित संग्रहण करती है, अतः

उक्त अधिसूचना में, सारणी के पैरा 2 में, विवरान टिप्पण को टिप्पण-1 के रूप में संख्याक्रित किया जाएगा और इस प्रकार संख्याक्रित टिप्पण-1 के पैरात् निम्नलिखित स्पष्टीकरण और टिप्पण अन्तः स्थापित किए जाएंगे, अतः

स्पष्टीकरण : इस टिप्पण के प्रयोजनों के लिए—

- (क) "स्वामित्व प्राप्त" का शर्य वह होगा जो उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 3 के खंड (च) में विनियित पद "स्वामी" की परिभाषा से व्युत्पन्न हो।
- (ख) "समन्वयी" का वही शर्य होगा जो कम्युनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के साथ पड़ता था और खंड (47) में है।

(ग) "किसी औद्योगिक उपकरण द्वारा नियंत्रित" पद का अर्थ निम्नलिखित होगा अर्थात् -- श्रृंग

(1) जहाँ एक ही व्यक्ति द्वारा स्वतंत्रतारी के रूप में, वो या अधिक औद्योगिक उपकरण स्थापित किए गए हैं वहाँ, ऐसे प्रत्येक औद्योगिक उपकरण को अर्थ औद्योगिक उपकरण या उपकरणों द्वारा नियंत्रित समझा जाएगा।

(2) जहाँ, भारतीय भागीदारी अधिनियम, 1932 (1932 का 1) के अधीन भागीदारी फर्म के रूप में दो या अधिक औद्योगिक अपकरण स्थापित किए गए हैं, और ऐसी फर्म में एक या अधिक भागीदार सामान्य भागीदार है, वहाँ ऐसे प्रत्येक औद्योगिक उपकरण को अर्थ औद्योगिक उपकरण या उपकरणों द्वारा नियंत्रित समझा जाएगा,

(3) जहाँ, कपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन कंपनियों द्वारा औद्योगिक उपकरण स्थापित किए गए हैं, वहाँ ऐसे औद्योगिक उपकरण, किसी अन्य औद्योगिक उपकरण द्वारा नियंत्रित समझा जाएगा, यदि—

(क) यदि अर्थ औद्योगिक उपकरण द्वारा धारित साम्या इसके कुल साम्य के 24 प्रतिशत से अधिक हों; या

(ख) किसी उपकरण का प्रबंध नियंत्रण, किसी अन्य औद्योगिक उपकरण को इस प्रकार संकात किया जाता है कि पहले उल्लिखित उपकरण का प्रबंध नियंत्रण अर्थ उपकरण का भी प्रबंध नियंत्रण या नियंत्रण है अथवा पहले उल्लिखित उपकरण के बोर्ड पर नियंत्रणकों की बहु संख्या (4) के (क) और (ख) के उपर्योगों के संबंध में अन्य औद्योगिक उपकरण में साम्या धारक है।

(4) उपर्योग (3) के अनुसार किसी उपकरण के साम्य में अन्य औद्योगिक उपकरण या उपकरणों द्वारा भाग लेने की सीमा जिन प्रकार से तथा की जाएगी :—

(क) अन्य औद्योगिक उपकरण द्वारा साम्य में भाग लेने के अन्तर्गत विदेशी और देशी, दोनों साम्या सम्मिलित हैं,

(ख) अन्य औद्योगिक उपकरण द्वारा साम्य में भाग लेने से अधिप्रते ही अन्य औद्योगिक उपकरण ना उपकरणों द्वारा, जहाँ वे लघु अथवा अन्यथा हों, किसी औद्योगिक उपकरण में धारित कुल साम्य। इसमें उन व्यक्तियों के साम्य भी सम्मिलित होंगे, जो किसी अन्य औद्योगिक उपकरण या उपकरणों में नियंत्रण किया गया है, यदि संगम के अनुच्छेदों में यह उपर्योगित है, तो अहंता शेर्डों की सीमा तक, अन्य औद्योगिक उपकरण या उपकरणों द्वारा धारित साम्य की संगणना में, नहीं लिए जाएंगे जहाँ वह सम्बद्ध अवक्ति किसी अन्य औद्योगिक उपकरण या उपकरणों में नियंत्रण हो।

(5) जहाँ कोई औद्योगिक उपकरण उपर्योग (I), उपर्योग (II) या उपर्योग (III) के संबंध में किसी अन्य औद्योगिक उपकरण या उपकरणों की समनुच्छी हो या उसके/उनके द्वारा स्वामित्वप्राप्त अथवा नियंत्रित है, और यदि पहले उल्लिखित औद्योगिक उपकरण तथा अन्य औद्योगिक उपकरण या उपकरणों के संबंध और मशीनरी में स्थिर

आस्तियों में कुल विनिधान, इकट्ठा किए जाने पर इस सारणी के पैरा 1 या पैरा 2 में विनिर्दिष्ट विनिधान से अधिक हो जाता है, तो इसमें से किसी भी औद्योगिक उपकरण को लघु या आनुषंगिक औद्योगिक उपकरण नहीं समझा जाएगा।

टिप्पणी 2

(क) इस अधिसूचना के प्रयोगजन के लिए, संबंध और मशीनरी के गूल्हे की संगणना करते से, इस बात को विचार ये लिए जिनमें कि संबंध और मशीनरी नहीं हैं या बरते हुए हैं, उनकी मूल कीमत को हिसाब में लिया जाएगा।

(ख) संबंध और मशीनरी के मूल्य की संगणना करते समय निम्नलिखित को अपर्याप्त किया जाएगा, अर्थात् :—

(i) अनुरक्षण के लिए उपस्कर्ताओं, जैसे औजारो, जिग, डाई, सांचे और अतिरिक्त भागों की लागत तथा खपते वाले सामान की लागत;

(ii) संबंध और मशीनरी की सम्पादन लागत;

(iii) अनुसंधान और विकास (अनु और वि) उपस्कर्ता और प्रदूषण नियंत्रण उपस्कर्ता की लागत

(iv) राज्य विद्युत् बोर्ड के विनियोगों के अनुसार उपकरण द्वारा मौस्यापित उत्पादन सेटों, अतिरिक्त ट्रांसफारमरों आदि की लागत;

(v) राष्ट्रीय लघु उद्योग नियम या राज्य लघु उद्योग नियम को संदर्भ बैक प्रभार और सेवा प्रभार;

(vi) केवल, वायरिंग, बत्त बार, विद्युत् नियंत्रण पैनल (उनसे भिन्न जो पृथक मशीनों पर मंडे हुए हैं), आयल सर्किट ब्रैकर/मिनिएचर सर्किट ब्रैकर, आदि उपगत कल्पने की संस्थापित करते से में अन्तर्वैतित लागत और संबंध और मशीनरी/सुखाउ उपायों को विद्युत् प्रक्रिया उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक रूप से प्रयोग की जानी हैं;

(vii) जैसे उत्पादन संबंध की लागत

(viii) स्वदेशी मशीनरी के लिए विनिर्माण स्थान से कारखाना स्थल तक परिवहन प्रभार (कर अर्थात् विक्रय कर, उत्पाद शुल्क आदि को छोड़कर),

(ix) संबंध और मशीनरी के परिनिर्माण की तकनीकी जानकारी के लिए संदर्भ प्रभार,

(x) ऐसे भारातीय टेंकों की लागत जिनमें केवल कच्ची सामग्री नैयार उत्पाद का मंडार रहता है और जो विनिर्माण प्रक्रिया से जड़े हुए नहीं हैं, और

(xi) अग्रिम शमत उपस्कर्ताओं की लागत।

(ग) आग्रहित मशीनरी की दशा में, मूल्य की संगणना करते समय निम्नलिखित को सम्मिलित किया जाएगा; अर्थात् :—

(i) आग्रहित शुल्क (प्रकोप्य अथवा, जैसे पत्तन से कारखाना स्थल तक परिवहन पत्तन पर संदर्भ डेपरेज अथवा छोड़कर);

(ii) पोत परिवहन प्रभार;

(iii) सीमाशुल्क निकासी प्रभार,

(iv) विक्रय कर।

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)
NOTIFICATION

New Delhi, the 1st January, 1993

S.O. 2(E).—Whereas the Central Government considers it necessary with a view to ascertaining which ancillary and small scale industrial undertakings need supportive measures, exemptions or other favourable treatment, under the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 for the purposes specified in Section 11-B of the said Act;

And whereas the draft Notification was laid before each House of Parliament for a period of 30 days as required under Sub-Section (3) of Section 11-B of the said Act.

And whereas no modification in the proposed Notification has been suggested by both Houses of Parliament.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 11-B and Sub-section (1) of Section 29-B of the said Act, the Central Government for the purposes of further specifying the requirements which shall be complied with by the industrial undertakings to enable them to be regarded as an ancillary or a small scale industrial undertaking for the purposes of the said Act, makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 232(E) dated the 2nd April, 1991 namely:—

In the said notification, in the Table, in paragraph II the existing note shall be numbered as Note 1 thereof and after Note-1, as so numbered, the following Explanation and Note shall be inserted, namely :—

Explanation :For the purposes of this Note —

- (A) "owned" shall have the meaning as derived from the definition of the expression "owner" specified in clause (f) of Section 3 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951)
- (B) "Subsidiary" shall have the same meaning as in clause (47) of Section 2, read with Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (C) the expression "controlled by any other industrial undertaking" means as under :—
 - (i) where two or more industrial undertakings are set up by the same person as a proprietor, each of such industrial undertakings shall be considered to be controlled by the other industrial undertaking or undertakings.
 - (ii) where two or more industrial undertakings are set up as partnership firms under the Indian Partnership Act, 1932 (1 of 1932) and one or more partners are

- common partner or partners in such firms, each such undertaking shall be considered to be controlled by the other undertaking or undertakings;
- (iii) where industrial undertakings are set up by companies under the Companies Act, 1956 (1 of 1956), an industrial undertaking shall be considered to be controlled by other industrial undertaking if,—
 - (a) the equity holding by other industrial undertaking in it exceeds 24% of its total equity; or
 - (b) the management control of an undertaking is passed on to the other industrial undertaking by way of the Managing Director of the first mentioned undertaking being also the Managing Director or Director in the other industrial undertaking or the majority of Directors on the Board of the first mentioned undertaking being the equity holders in the other industrial undertaking in terms of the provisions of (a) and (b) of sub-clause (iv);
- (iv) the extent of equity participation by other industrial undertaking or undertakings in the undertaking as per sub-clause (iii) above shall be worked out as follows :—
 - (a) the equity participation by other industrial undertaking shall include both foreign and domestic equity;
 - (b) equity participation by other industrial undertaking shall mean total equity held in an industrial undertaking by other industrial undertaking or undertakings, whether small scale or otherwise, put together as well as the equity held by persons who are Directors in any other industrial undertaking or undertakings;
 - (c) equity held by a person, having special technical qualification and experience, appointed as a Director in a small scale industrial undertaking, to the extent of qualification shares, if so provided in the Articles of Association, shall not be counted in computing the equity held by other industrial undertaking or undertakings even if the person concerned is a Director in other industrial undertaking or undertakings;
 - (v) where an industrial undertaking is a subsidiary of, or is owned or controlled by, any other industrial undertaking or undertakings in terms of sub-clause (i), sub-clause (ii), or sub-clause (iii), and if the total investment in fixed assets in plant and machinery of the first mentioned industrial undertaking and the other industrial undertaking or undertakings clubbed together exceeds

the limit of investment specified in paragraph I or II of this Table, as the case may be, none of these industrial undertakings shall be considered to be a small scale or ancillary industrial undertaking.

Note 2 —

- (a) In calculating the value of plant and machinery for the purpose of this Notification, the original price thereof, irrespective of whether the plant and machinery are new or second hand, shall be taken into account.
- (b) In calculating the value of plant and machinery, the following shall be excluded, namely:—
 - (i) the cost of equipments such as tools, jigs, dies, moulds and spare parts for maintenance and the cost of consumable stores;
 - (ii) the cost of installation of plant and machinery;
 - (iii) the cost of Research and Development (R&D) equipment and pollution control equipment;
 - (iv) the cost of generation sets, extra transformer, etc. installed by the undertaking as per the regulations of the State Electricity Board;
 - (v) the bank charges and service charges paid to the National Small Industries Corporation or the State Small Industries Corporation;
 - (vi) the cost involved in procurement or installation of cables, wiring, bus bars,

electrical control panels (not thus mounted on individual Machines), Circuit Breakers|Miniature Circuit Breakers, etc. which are necessarily to be used for providing electrical power to the plant and machinery|safety measures

- (vii) the cost of gas producer plant;
- (viii) transportation charges (excluding of taxes e.g. Sales-tax, Excise etc.) for indigenous machinery from the place of manufacturing to the site of the factory;
- (ix) charges paid for technical know-how erection of plant and machinery;
- (x) cost of such storage tanks which store raw materials finished products only are not linked with the manufacturing process; and
- (xi) cost of fire fighting equipments.
- (c) In the case of imported machinery, the following shall be included in calculating the value, namely :—
 - (i) Import duty (excluding miscellaneous expenses as transportation from the port to the site of the factory, demurrage paid at the port).
 - (ii) the shipping charges;
 - (iii) Customs clearance charges; and
 - (iv) Sales tax.

{No. 10(5)|91-LP]

S. BEHURA, Joint Secy.